मानवशास्त्र की शाखाएँ (Branches of Anthropology)

मानवशास्त्र का अध्ययन क्षेत्र काफी विस्तृत है। यह समग्र रूप से मानव का अध्ययन है। यह मानव के शारीरिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक उद्भव और विकास का एक अध्ययन है। मानवशास्त्र के विस्तृत अध्ययन-क्षेत्र को ध्यान में रखकर ही इसे अनेक शाखाओं या उपभागों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक उपभाग मानव के किसी एक पक्ष का विशेष रूप से अध्ययन करता है, परन्तु ये सभी उपभाग एक-दूसरे से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है। यहां कुछ विद्वानों द्वारा प्रस्तुत मानवशास्त्र के विभिन्न उपभागों का उल्लेख किया जा रहा है:

पिडिंगटन (Piddington) के अनुसार मानवशास्त्र के निम्न उपभाग हैं:

(1) शारीरिक मानवशास्त्र (Physical Anthropology)
(2) सांस्कृतिक मानवशास्त्र (Cultural Anthropology)
(i) प्रागैतिहासिक पुरातत्व (Prehistoric Archaeology)
(ii) सामाजिक मानवशास्त्र (Social Anthropology)

हॉबल (Hobel) ने मानवशास्त्रीय विज्ञानों का उल्लेख निम्न प्रकार से किया है:

(1) शारीरिक मानवशास्त्र (Physical Anthropology)
(i) मानवमिति (Anthropometry)
(ii) मानव प्राणीशास्त्र (Human Biology)

(2) पुरातत्वशास्त्र (Archaeology)
(3) सांस्कृतिक मानवशास्त्र (Cultural Anthropology)
(i) प्रजातिशास्त्र (Ethnology)
(ii) भाषा-विज्ञान (Linguistics)

लिण्टन (Linton) ने मानवशास्त्र के निम्नलिखित उपभागों का उल्लेख किया है :
(1) शारीरिक मानवशास्त्र (Physical Anthropology)
(i) पुरातन मानवशास्त्र (Human Palaeontology)
(ii) मानव शरीरशास्त्र (Somatology)
(2) सांस्कृतिक मानवशास्त्र (Cultural Anthropology)
(i) पुरातत्वशास्त्र (Archaeology)
(ii) प्रजातिशास्त्र (Ethnology)
(iii) भाषा-विज्ञान (Linguistics)

मनुष्य और उसके कार्यों से सम्बद्ध मानवशास्त्र का विकास मुख्यतः दो भागों के रूप में हुआ है। इनमें से प्रथम, शारीरिक मानवशास्त्र और द्वितीय, सांस्कृतिक मानवशास्त्र है। इनमें से प्रत्येक के अनेक उपभाग हैं।